खबर संक्षेप

मिशन क्लीन-2026 के लिए होटल सूर्या में हुआ स्वच्छता का शंखनाद

शहडोल। शहरों को चमकाने और स्वच्छता सर्वेक्षण में बाजी मारने के लिए संभागीय स्तर पर बड़ी रणनीति तैयार की गई है। होटल सूर्या इंटरनेशनल में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के तत्वावधान में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुई इस हाई-टेक ट्रेनिंग में संभाग के सभी 22 नगरीय निकायों से आए 47 मुख्य नगर पालिका अधिकारियों और नोडल अफसरों ने हिस्सा लिया और शहरों को जीरो वेस्ट बनाने का संकल्प दोहराया।

कार्यशाला का मुख्य मकसद आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2026-27 में शहडोल संभाग का झंडा बुलंद करना रहा। प्रशिक्षण देने पहुंचे फीडबैक फाउंडेशन के विशेषज्ञों—श्री प्रदीप श्रीवास्तव एवं श्री आशीष बिस्वास ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की बारीकियों को समझाया। विशेषज्ञों ने डोर-टू-डोर गारबेज कलेक्शन, गीले व सूखे कचरे का शत-प्रतिशत पृथक्कीकरण, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटरों के प्रभावी संचालन और लिगेसी वेस्ट (पुराने कचरे के पहाड़) को निपटाने के प्रैक्टिकल टिप्स दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक जनता जागरूक होकर कचरा अलग-अलग नहीं देगी, तब तक कोई भी शहर नंबर-1 नहीं बन सकता।वर्कशॉप में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के नए गाइडलाइंस की जानकारी दी गई। इस ट्रेनिंग का लाइव प्रसारण यूट्यूब पर भी किया गया, ताकि निचले स्तर के तकनीकी कर्मचारी भी इसका लाभ उठा सकें। सत्र के अंत में अधिकारियों का टेस्ट लेने के लिए एक क्विज (प्रश्नोत्तरी) का आयोजन किया गया, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र बांटे गए।कार्यक्रम के अंत में फीडबैक फाउंडेशन के श्री संदीप सोनी ने सभी का आभार जताया। इस दौरान शहडोल पीआईयू से सुश्री पल्लवी सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यशाला के बाद अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने और शहरों को कचरा-मुक्त व सुंदर बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

अभाविप ने फूंका नारी शक्ति का बिगुल

शहडोल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शहडोल नगर में एक भव्य एवं विशाल विराटेश्वरी चेतना युवती सम्मेलन का आयोजन किया गया। छात्र हित और राष्ट्र हित के संकल्पों को दोहराते हुए आयोजित इस सम्मेलन में सैकड़ों छात्राओं और मातृशक्ति की मौजूदगी ने वीरांगनाओं के अदम्य साहस और चेतना का अहसास कराया। कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, साइबर क्राइम और संघ के पंच परिवर्तन जैसे ज्वलंत विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

समारोह में मुख्य रूप से महिला समन्वय की प्रांत संयोजिका मेघा पवार, एसडीएम अमृता गर्ग, जिला बौद्धिक प्रमुख डॉ. अर्चना जायसवाल, सरस्वती शिशु मंदिर की अध्यक्ष भारती गुप्ता, प्रांत छात्रा प्रमुख आंचल मिश्रा, विभाग छात्रा प्रमुख अंजली पांडेय एवं जिला छात्रा प्रमुख निधि पांडेय विशेष रूप से मंचासीन रहीं।

दूरदराज के मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

शहडोल संभाग के स्वास्थ्य महकमे में छाई बहार

ग्रामीण अंचलों के अस्पतालों को मिले 125 नए बांडपत्र डॉक्टर

शहडोल। प्रदेश शासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आमजन को उनके घर के समीप ही बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक ऐतिहासिक पहल की गई है। संभाग के ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में चिकित्सा व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए शहडोल संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 125 बांडपत्र चिकित्सकों की नियुक्ति की है। इस सकारात्मक और जनहितकारी कदम से अब सुदूर ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर होगी और मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

सांसद हिमाद्री सिंह को मिला आधिकारिक पत्र

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के इस महत्वपूर्ण प्रयास के तहत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने शहडोल लोकसभा क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह को आधिकारिक पत्र भेजकर इस सौगात से अवगत कराया है। शासन का यह मूल उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं बिना किसी रुकावट के लगातार और निर्बाध रूप से मिलती रहें। उपमुख्यमंत्री द्वारा जारी पत्र में यह भी अनुरोध किया गया है कि यदि स्थानीय स्तर पर इन चिकित्सकों की कार्यप्रणाली या व्यवस्था में कोई छोटी-मोटी व्यावहारिक कठिनाई सामने आती है, तो जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें ताकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जनता तक सुगमता से पहुंच सके।

शहडोल जिले के अस्पतालों में डॉक्टरों की शानदार तैनाती

शहडोल जिले के विभिन्न प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में ऊर्जावान युवा चिकित्सकों के कार्यभार संभालने से स्वास्थ्य सेवाओं को नई रफ्तार मिली है। कार्यभार ग्रहण करने वाले चिकित्सकों में पूजा मुजाल्दे (प्रा.स्वा.कें. आमडीह), प्रथम राजवानी (जिला चिकित्सालय शहडोल), तेजल गुप्ता (सा.स्वा.कें. गोहपारू), रमयता तिवारी (जिला चिकित्सालय शहडोल), विशाखा सिंह (सा.स्वा.कें. सिंहपुर), प्रिया पाठक (प्रा.स्वा.कें. आमडीह), गिरिराज प्रसाद मीना (प्रा.स्वा.कें. आमझोर), राहुल मीना (सा.स्वा.कें. बंसकुली), सुरेंद्र कुमार



(सा.स्वा.कें. बंसकुली), आर्यन कुमार (सा.स्वा.कें. बंसकुली), अंकित पटेल (प्रा.स्वा.कें. लफदा), ऋतिक वर्मा (प्रा.स्वा.कें. लफदा), संदीप कुमार (प्रा.स्वा.कें. रसमोहनी), हार्दिक तिवारी (प्रा.स्वा.कें. खैरहा), प्रियंका प्रजापति (सा.स्वा.कें. बंसकुली) तथा नैना मिश्रा (सा.स्वा.कें. गोहपारू) ने अपनी सेवाएं उत्साहपूर्वक शुरू कर दी हैं। * **शीघ्र कार्यभार संभालने वाले अन्य चिकित्सकः** इसके अतिरिक्त महेश सिंगड़ (सा.स्वा.कें. बंसकुली), आशी गुप्ता (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), चंचल जोशी (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), सिमरन गंगलाणी (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), वरुण शर्मा (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), विनोद मीना (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), प्रतीक्षा राय (प्रा.स्वा.कें. आमझोर), रणजीत कुमार साह (प्रा.स्वा.कें. बरकोड़ा), श्रृति चक्रवर्ती (सा.स्वा.कें. सिंहपुर), जया बैरवा (सा.स्वा.कें. जयसिंहनगर), राजेश कुमार गुप्ता (सा.स्वा.कें. गोहपारू), शगुन मिश्रा (प्रा.स्वा.कें. खन्नौधी) एवं अमन मीना (प्रा.स्वा.कें. कनाडी) की पदस्थापना से भी चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की पूरी उम्मीद है।

अनूपपुर जिले को मिले कुशल चिकित्सक

अनूपपुर जिले के ग्रामीण और दूरदराज के स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टरों की पर्याप्त तैनाती से चिकित्सा सेवाओं का स्तर ऊंचा उठा है। अनूपपुर जिले में संदीप कुमार सूर्यवंशी (सा.स्वा.कें. पुष्पराजगढ़), अरबाज खान (सा.स्वा.कें. करपा), दिव्यांशु चौहान (सा.स्वा.कें. करपा), अजीत बनिया (प्रा.स्वा.कें. कोयलारी), मोनिका बघेल (सा.स्वा.कें. पुष्पराजगढ़), आरती चंद्रवंशी (सा.स्वा.कें. अमरकंटक), रितेश मिंज (प्रा.स्वा.कें. खामरोड़), सौरभ चौधरी (सा.स्वा.कें. अमरकंटक), नरेंद्र मरकाम (सा.स्वा.कें. अमरकंटक), लंका मुजाल्दे (प्रा.स्वा.कें. खाती), प्रियंका मुवेल (प्रा.स्वा.कें. बेनीबारी), मोहम्मद मोइन अशरफ (सा.स्वा.कें. जैतहरी), आरती साहू (प्रा.स्वा.कें. भटलो), हिमांशु मिश्रा (जिला चिकित्सालय अनूपपुर), प्रिया चौरसिया (सा.स्वा.कें. परासी), विनीता पटेल (प्रा.स्वा.कें. अमलाई), अनुषा राजानी (सा.स्वा.कें. परासी), हिमांशु सोनी (जिला चिकित्सालय अनूपपुर), पंकित सिंह (प्रा.स्वा.कें. देवरा), दीपक जायसवाल (जिला चिकित्सालय अनूपपुर), डॉली पानिका (सा.स्वा.कें. परासी), सागर सोनी (सा.स्वा.कें. जैतहरी), सुमित लाल रंजन (सा.स्वा.कें. फुंगा) एवं मोहम्मद शफीक (प्रा.स्वा.कें. लपटा) ने अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ संभाल ली है। इसके साथ ही कथान्शी जैन (सा.स्वा.कें. पुष्पराजगढ़), रितिका मेहर (प्रा.स्वा.कें. पोंडकी), संध्या सोलंकी (सा.स्वा.कें. करपा), अभिलाषा सोनवानी (जिला चिकित्सालय अनूपपुर), अमन ढैय्या (प्रा.स्वा.कें. डोंगरा टोला), सुप्रीत कुमार झा (सा.स्वा.कें. फुंगा) और प्रिंस मिश्रा (सा.स्वा.कें. जैतहरी) की पदस्थापना की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

उमरिया जिले के अस्पतालों में भी बढ़ी डॉक्टरों की फौज

उमरिया जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में भी नए चिकित्सकों के आने से स्वास्थ्य सुविधाओं में एक नया उजाला देखने को मिल रहा है। उमरिया जिले के अस्पतालों में प्रज्ञा मंडलोई (जिला चिकित्सालय उमरिया), अतुल कुमार बदेरिया (जिला चिकित्सालय उमरिया), प्रियंका चारपोटा (सा.स्वा.कें. चंदिया), संजय (सा.स्वा.कें. नौरोजऱाबाद), शिवानी चौहान (सा.स्वा.कें. चंदिया), ईश्वर सोलंकी (सा.स्वा.कें. चंदिया), गौरव खन्ना (सा.स्वा.कें. चंदिया), ज्ञाप्ति तिर्की (जिला चिकित्सालय उमरिया), शिवानी ठाकुर (जिला चिकित्सालय उमरिया), श्रुति सिंघई (प्रा.स्वा.कें. कर्कली), सीता मीना (जिला चिकित्सालय उमरिया), केशर सिंह (सा.स्वा.कें. नौरोजऱाबाद), साक्षी सिंह पाटले (जिला चिकित्सालय उमरिया), लीला कनेश (सा.स्वा.कें. चंदिया), महेश सुराना (सा.स्वा.कें. नौरोजऱाबाद), नर्मदा नलवाया (जिला चिकित्सालय उमरिया), प्रवेश अलावे (जिला चिकित्सालय उमरिया), वीरेंद्र मुवेल (सा.स्वा.कें. नौरोजऱाबाद), प्रतिभा कनेल (प्रा.स्वा.कें. हर्रवाह), योगेश चौहान (सा.स्वा.कें. नौरोजऱाबाद) तथा सूरज मोर्या (जिला चिकित्सालय उमरिया) अपनी सेवाएं पूरी मुस्तैदी से दे रहे हैं। शीघ्र उपस्थिति वाले चिकित्सक इसके अलावा सीमा (जिला चिकित्सालय उमरिया), अरुंधति शुक्ला (जिला चिकित्सालय उमरिया) और पूजा ठाकुर (जिला चिकित्सालय उमरिया) की उपस्थिति भी जल्द ही सुनिश्चित होने जा रही है।

ग्रामीण अंचलों में दौड़ेगी विकास और स्वास्थ्य की बयार

दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञ और बॉन्ड डॉक्टरों की इस व्यापक और सुनियोजित तैनाती से स्थानीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर अभूतपूर्व रूप से सुधरेगा। क्षेत्र के आम नागरिकों में इस बात को लेकर भारी प्रसन्नता है कि अब उन्हें सामान्य व प्राथमिक इलाज के लिए दूर-दराज के महानगरों या बड़े शहरों में जाने की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। सरकार की इस सकारात्मक पहल ने यह साबित कर दिया है कि जनजातीय बाहुल्य और ग्रामीण क्षेत्रों के हर नागरिक के स्वास्थ्य के प्रति शासन पूरी तरह संवेदनशील और कटिबद्ध है।

पण्डालों में विराजी मां शेरावाली, दमक रहा शौर्य

घरौला मुहल्ला में विराजी प्रतिमाएं, मां काली की रौद्र झांकी

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के डेवलपमेंट एरिया समेत पूरा घरौला मुहल्ला आदि शक्ति मां अम्बे की उपासना में डूबा हुआ है। यहां 50 वर्षों से भी अधिक समय से शारदेय नवरात्रि धूमधाम से मनाई जा रही है। पूर्व की भांति इस वर्ष भी साईं मंदिर के सामने, घरौला शिव तिराहे के सामने तथा समीप की बस्ती जैन बाड़ा के सामने पण्डाल सजाए गए हैं और मां दुर्गा के विविध स्वरूपों की आकर्षक झांकियां विराजी गई हैं।

माता ब्रह्मचारिणी की उपासना

नवरात्रि के दूसरे दिन नगर के प्रमुख शक्ति स्थलों में मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की गई। माता तप का आचरण करने वाली दिव्य स्वरूपा है। धर्म शास्त्रों के अनुसार मां श्वेत वस्त्र धारण कर जप की माला व कमण्डल लेकर प्रगट होती हैं। इनकी उपासना से मनुष्य के भीतर आत्मीय शक्ति, धैर्य और संकल्प बढ़ता है। मां की कृपा से सर्वत्र सिद्धि और विजय की प्राप्ति होती है।

शक्ति स्वरूपा है झांकी

डेवलपमेंट एरिया साईं मंदिर के सामने सजे पण्डाल में मां दुर्गा शेर पर शौर्य रूप में विराजमान हैं। माता की झांकी काफी आकर्षक है। साथ ही पण्डाल में माता के विविध स्वरूपों व अन्य देवताओं की स्थापना की गई है। यह स्थल दुर्गा पूजा का एक प्रमुख केन्द्र माना जाता है और पंचमी तथा अष्टमी तिथियों पर यहां दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ती है।

वरदानी मुद्रा में माता

घरौला शिव तिराहे पर विराजी मां दुर्गा, सिंह पर सवार वरदानी मुद्रा में हैं। माता के नेत्रों से करुणा तथा वात्सल्य का भाव प्रकट होता है। यहां सुबह शाम माता की पूजा आरती की जाती है और भक्तों







का तांता लगा रहता है। बताया गया कि इस स्थल पर भी पिछले कई दशकों से माता की प्रतिमा विराजी जा रही है और हर्षोल्लास के साथ दुर्गा उत्सव मनाया जाता है।

रौद्र रूप में माता काली

घरौला मुहल्ला में ही जैन बाड़ा के सामने पण्डाल सजाया गया है। जहां माता काली की रौद्रमुखी भव्य प्रतिमा विराजी गई है। इस स्थल पर प्रति वर्ष नवरात्रि पर माता काली की उपासना की जाती है और उनका पण्डाल सजाया जाता है। यहां माता काली की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी रहती है। नौ दिनों तक माता की झांकी देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

रेत से भरा अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटा 5 मजदूर घायल

पाली थाना क्षेत्र के ग्राम परसौरा के समीप हुआ हादसा

उमरिया। जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसौरा के समीप कमराई नाला में कल सोमवार को एक अनियंत्रित ट्रैक्टर की ट्रॉली पलट जाने से उसमें सवार करीब 5 मजदूर घायल हो गए जिन्हें एक प्राइवेट वाहन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कर इलाज किया गया है। जानकारी के मुताबिक उक्त घटना में एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है जिसे शहडोल रेफर करने की तैयारी स्वास्थ विभाग द्वारा की गई।बताया गया है कि ट्रैक्टर किसी राजकुमार दास निवासी पाली की है, जो परसौरा ग्राम से लगे कमराई नदी से रेत चोरी कर पाली परिवहन कर रहा था। इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से यह बात भी सामने आई है कि ट्रैक्टर का संचालन एक भाजपा नेता के द्वारा कराया जा रहा था, जो बीजेपी के किसी अच्छे पद में पार्टी को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। हलांकि इस बात की पुष्टि समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है जिसके प्रयास किए जा रहे है। इस मामले में नवागत संवेदनशील एसडीओपी ललित गढ़रे ने बताया कि उक्त घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर तत्काल पुलिस बल भेज दिया





गया था। एसडीओपी ने बताया कि घायलों में दो पुरुष एवं तीन महिला शामिल है जिनमें आशा बाई बैगा आमसिया बैगा उर्मिला बैगा गोलू कोल और नागेश्वर के नाम शामिल है। एसडीओपी ने कहा कथित ट्रैक्टर को जब्त कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है वहीं मामले को खनिज विभाग के संज्ञान में भी लाया जाएगा। स्मरणीय होवे कि अवैध उत्खनन के संबंध में हमारे द्वारा लगातार खबर प्रकाशन कर स्थानीय व जिला प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराया गया है, किन्तु जिम्मेदार खबरों में ध्यान नहीं दिया जो खेदजनक स्थिति को बयां करता है।

जयसिंहनगर से मां शारदा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की पैदल यात्रा निकली





मानपुर। भजन-कीर्तन और माता के जयकारों के साथ भक्त करीब 170 किलोमीटर का सफर तय कर मैहर पहुंचेंगे। आस्था और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिल रहा है। जयसिंहनगर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां शारदा के दर्शन के लिए पैदल रवाना हुए हैं। हाथों में ध्वज, जुबां पर माता के जयकारे और मन में अटूट श्रद्धा लिए भक्त लगातार आगे बढ़ रहे हैं। करीब 170 किलोमीटर की यह यात्रा तीन दिन में पूरी होगी। यात्रा के दौरान उमरिया जिले के पनपथा में श्रद्धालुओं के लिए विशेष भंडारे का आयोजन किया गया, जहां भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भक्ति, सेवा और समर्पण के इस संगम में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। सभी भक्त मां शारदा के दरबार में पहुंचकर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

ग्रीन सिटी में 14 अक्टूबर को सजेगी भक्ति की महफिल

बुढार। नगर के वार्ड नंबर 15 स्थित ग्रीन सिटी, टिकरी टोला में मां जगदम्बा दुर्गा उत्सव समिति द्वारा 14 अक्टूबर को भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मशहूर गायक श्री संजीवन टांडिया अपनी रंगारंग प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में उनके द्वारा माता रानी के एक से बढक़र एक देवी भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। मां जगदम्बा दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 15, टिकरी टोला बुढार, ग्रीन सिटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। देवी भजनों के माध्यम से मां जगदम्बा की आराधना की जाएगी। कार्यक्रम में भक्ति संगीत की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालुओं को माता रानी की महिमा का गुणगान सुनने का अवसर मिलेगा।छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक संजीवन टांडिया अपनी गायकी के लिए पहचाने जाते हैं। उनके द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले देवी भजन कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी के भजनों का आनंद लेंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली को बस ने मारी टक्कर 13 साल के बालक समेत 10 घायल, 6 की हालत नाजुक





शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत चरखारी के पास रविवार देर शाम एक भीषण सडक़ हादसे में श्रद्धा और भक्ति का माहौल चीख-पुकार में बदल गया। मां दुर्गा की प्रतिमा लेकर गांव लौट रहे श्रद्धालुओं से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीधी तरफ से आ रही तेज रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस खौफनाक हादसे में 13 साल के मासूम समेत कुल 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 श्रद्धालुओं की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें रीवा और शहडोल मेडिकल कॉलेज (हायर सेंटर) रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार साखी गांव के ग्रामीण बड़ी ही धूमधाम से ट्रैक्टर में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजित कर अपने गांव के पंडाल की ओर बढ़ रहे थे। चरखारी के पास जैसे ही ट्रैक्टर सडक़ किनारे रुका, तभी सीधी से ब्यौहारी की ओर आ रही अनियंत्रित बस ने खड़े ट्रैक्टर को तेज टक्कर दे मारी। वाहन में करीब 16 श्रद्धालु सवार थे। टक्कर लगते ही ट्रॉली में बैठे लोग सडक़ पर दूर जा गिरे और मौके पर हाहाकार मच गया।घटना की सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना प्रभारी अभिलाष मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस के जरिए सभी घायलों को तुरंत अस्पताल भिजवाया। हादसे में कई लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर आया है। ब्यौहारी एसडीओपी ऋषभ छारी भी तुरंत अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जाना। गंभीर चोटों के कारण 6 श्रद्धालुओं को तत्काल रीवा व शहडोल मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया। इस दर्दनाक हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि ट्रॉली में रखी माँ दुर्गा की प्रतिमा को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए प्रतिमा को पूरी श्रद्धा के साथ सुरक्षित साखी गांव भिजवाया, ताकि तय समय पर पंडाल में स्थापना की जा सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर बस चालक की तलाश और आगे की वैधानिक जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद से पूरे इलाके में शोक और चिंता की लहर व्याप्त है।

मानपुर में विकास के नाम पर कागजी खेल

भोलगढ़ के बच्चों के खेल मैदान पर बिना काम किए डकार लाखों, पंचम राज्य वित्त आयोग के बजट में सेंधमारी

सरपंच, रोजगार सहायक और उपयंत्री की तिकड़ी ने रचा भ्रष्टाचार का नया कीर्तिमान

मानपुर। शासन की योजनाओं का किस प्रकार मखौल उड़ाया जाता है और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करते हुए सरकारी खजाने में खुलेआम डाका डाला जाता है, इसका शर्मनाक नमूना जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भोलगढ़ में देखने को मिला है। यहां के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को खेलकूद की बेहतर सुविधा देने के नाम पर पंचम राज्य वित्त आयोग से स्वीकृत 7 लाख 23 हजार रुपये की भारी-भरकम राशि को पंचायत के जिम्मेदारों ने बड़ी ही सफाई से आपस में बांटकर हजम कर लिया। हैरानी की बात यह है कि जहां ज़मीन पर निर्माण कार्य का एक ढेला तक नहीं लगा, वहां कागजी बाजीगरी दिखाकर लाखों रुपये की राशि का आहरण भी कर लिया गया।









दस्तावेज़ों में स्वीकृति की जादुई समयरेखा

संलग्न आधिकारिक दस्तावेजों से इस पूरे भ्रष्टाचार का कच्चा-चि_ा बेनकाब हो जाता है। ग्राम सभा एवं ग्राम पंचायत अनुमोदन 14 अप्रैल 2026 को हुआ, तकनीकी स्वीकृति 15 मई 2026 को, प्रशासकीय स्वीकृति 16 मई 2026 को मिली, उक्त निर्माण कार्य के लिए पंचम राज्य वित्त आयोग के तहत कुल 7,23,000 रुपये स्वीकृत हुए, मजदूरी मद में 1,08,450 रुपये तथा सामग्री मद में 6,14,550 रुपये खर्च होने थे, नियम कहते हैं कि प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद कार्यस्थल पर अनिवार्य रूप से सूचना पटल लगाया जाए, जिससे ग्रामीणों को लागत, निर्माण एजेंसी और कार्य की पूरी जानकारी मिल सके, लेकिन भोलगढ़ में पारदर्शिता का जनाजा निकालते हुए कोई सूचना पटल तक नहीं लगाया गया, ताकि यह फर्जीवाड़ा किसी की नजर में न आ सके।

पुरानी मुरूम पर नई स्वीकृति

विद्यालय प्रशासन की मानें तो जिस खेल मैदान पर आज नए निर्माण का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, वहां डेढ़ से दो वर्ष पूर्व ही पथरीली जमीन को समतल करने के लिए पंचायत द्वारा कुछ मुरूम डलवाई गई थी। उस दौरान जेसीबी मशीन और ट्रैक्टरों के माध्यम से काम निपटा दिया गया था, लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त कारिंदों की नीयत इतने से कहां भरने वाली थी। वर्ष 2026 के मई माह में पंचायत के जिम्मेदारों ने अपनी जेबें भरने की नई रणनीति तैयार की। डेढ़-दो साल पहले हो चुके उसी पुराने काम को नई फाइल में दर्ज किया गया। उपयंत्री की पूरी शह और मिलीभगत से 15 मई 2026 को तकनीकी स्वीकृति और 16 मई 2026 को प्रशासकीय स्वीकृति कागजों में चमका दी गई। जब स्वीकृति मई माह में जारी हुई, तो नियमतः काम उसके बाद शुरू होना था, लेकिन धरातल की सच्चाई यह है कि मई के बाद मैदान में एक कुदाल तक नहीं चली, और जुलाई 2026 आते-आते पूरी राशि आहरित कर अपनी-अपनी जेबों में डाल ली गई।

कहां से आई मुरूम

भ्रष्टाचार की यह दास्तान यहीं खत्म नहीं होती। जब आप जिले के आधिकारिक आंकड़ों पर नजर डालते हैं, तो फर्जीवाड़े की परतें और खुल जाती हैं। पूरे जिले में आधिकारिक तौर पर मुरूम की एक भी वैध खदान संचालित नहीं है। ऐसे में यह यक्ष प्रश्न उठता है कि वेंडर प्रताप एसोसिएट्स, मानपुर ने रातों-रात कहां से सैकड़ों ट्रॉली मुरूम लाकर बिछा दी? क्या यह वेंडर किसी जादुई चिराग से मुरूम की आपूर्ति कर रहा था या फिर यह पूरी प्रक्रिया केवल फर्जी बिल भुनाकर सरकारी धन को ठिकाने लगाने की एक सोची-समझी साजिश थी? साफ़ है कि बिना किसी वास्तविक आपूर्ति के कागजी बिल बनाकर राशि की बंदरबांट की गई।

सरपंच, रोजगार सहायक और उपयंत्री का त्रिकोण

ग्राम पंचायत भोलगढ़ में विकास के नाम पर हुई इस लूट का पूरा खेल तीन किरदारों के इर्द-गिर्द घूमता है। सरपंच जिनकी सरपरस्ती और मौन सहमति के तले इस पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया गया। वित्तीय प्रभार में रोजगार सहायक के पास पंचायत के वित्तीय संचालन की चाबी है। बिना किसी ज़मीनी काम के सत्यापन के और नियमों को ताक पर रखकर जुलाई माह में लाखों की राशि का आहरण इन्हीं के हस्ताक्षरों से हुआ। उपयंत्री जिनकी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी कार्यस्थल का भौतिक मूल्यांकन करने की थी। इन्होंने पुरानी पड़ी मुरूम पर नए काम की मुहर लगाकर इस कागजी खेल को तकनीकी स्वीकृति प्रदान की। इस त्रिस्तरीय सांठ-गांठ ने मासूम स्कूली बच्चों के खेल मैदान के अधिकार पर डाका डाला है। आज भी विद्यार्थी उसी बदहाल, पथरीले और अधूरे मैदान में खेलने को मजबूर हैं, जबकि कागजों में उनके लिए 7.23 लाख का शानदार खेल मैदान बनकर तैयार हो चुका है।

निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी दर्ज हो

पंचायत के जिम्मेदारों द्वारा मचाई गई इस लूट से स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी रोष व्याप्त है। जनता का सीधा सवाल है कि जब काम दो साल पहले का था, तो मई 2026 में नई स्वीकृति क्यों जारी की गई और यदि स्वीकृति मई में हुई, तो बिना नया काम कराए जुलाई में राशि किस आधार पर निकाल ली गई? क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि उपयंत्री, वित्तीय प्रभार संभाल रहे रोजगार सहायक एवं सरपंच के विरुद्ध पद के दुरुपयोग, गबन और धोखाधड़ी के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाए और आहरित की गई पूरी राशि की वसूली की जाए।

इनका कहना है...

निर्माण कार्य डेढ़ से दो वर्ष पूर्व हुआ था, जेसीबी, ट्रैक्टर से मुरूम डाली गई थी, उसके बाद काम नहीं हुआ है और काम हो जाता तो, ठीक हो जाता।
दिवाकर प्रसाद चतुर्वेदी
प्राचार्य
हाई स्कूल भोलगढ़

7 खर्च नही हुए, लेकिन निर्माण के दौरान कमीशन लगता है, किसको कह दें सभी तो कमीशन लेते हैं, पैसा पूरा निकल गया है।
जागेश्वर सिंह
सरपंच
ग्राम पंचायत भोलगढ़

******

कार्य 5 वें वित्त से हुआ है, फर्जी भुगतान नहीं हुआ है।
बृजेश त्रिपाठी

उमरिया जिले को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना में जिले को देश में मिला तीसरा स्थान

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को दिल्ली में किया गया सम्मानित

उमरिया।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में किए जा रहे कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। अगस्त माह की समीक्षा में उमरिया जिले ने 78.1 के कंपोजिट स्कोर के साथ पूरे देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार द्वारा कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम एन ए एस सी काम्प्लेक्स नई दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं संबंधित मंत्रालय



/ विभागों के केंन्द्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत उमरिया जिले में कृषि क्षेत्र के साथ-साथ अन्य संबंधित सेक्टरों के किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि उत्पादकता को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य विभाग, जिला पंचायत के ग्रामीण विकास विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा योजना के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है।

योजना के माध्यम से जिले में कृषि उत्पादकता में सुधार, फसल विविधीकरण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, कृषि अधोसंरचना को मजबूत करने तथा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोडने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को कृषि संबंधी आवश्यक जानकारी, तकनीकी मार्गदर्शन और विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए उत्पादन एवं आय में वृद्धि की जा सके।जिले में दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

कलेक्टर सहित विभागीय अधिकारी करेंगे ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण

पाली विकासखंड के बकेली क्षेत्र के ग्रामों का होगा भ्रमण

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह व्दारा ग्रामीण अंचलों का 16 अक्टूबर को भ्रमण किया जाएगा। पाली विकासखंड अंतर्गत बकेली क्षेत्र के अधीनस्थ विभागीय कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय , अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण होगा तथा तदुपरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक बकेली में आयोजित जन संवाद स्थल में विभागीय अधिकारी उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएंगे तथा शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। उल्लेखनीय है कि बकेली, सलैया-1, मेढकी, बडवाही, ओदरी, चौरी, बरदढार, खिचकिडी, कठई, भौतरा एवं सेमरिया का भ्रमण किया जाएगा।

32 हजार की 300 पाव देशी मदिरा की गई जब्त

कटनी। आबकारी विभाग ने पटवारा रेलवे फाटक के समीप कन्हवारा रोड पर घेराबंदी कर 54 बल्क लीटर अवैध देशी मदिरा जब्त की है। सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने बिना नंबर प्लेट की स्कूटी को रोककर तलाशी ली। वाहन पर रिंकू निषाद 27 वर्ष एवं राकेश निषाद (25 वर्ष), दोनों निवासी बालगंगाधर तिलक वार्ड, एनसीसी कॉलेज मार्ग, चक्की घर, थाना कुठला सवार थे। जांच के दौरान, दो सफेद बोरियों में रखे मसाला देशी मदिरा के 150-150 पाव बरामद हुए।

अग्रवाल परिवार के सौजन्य से श्री कल्याण सेवा आश्रम में माता जगदंबा का हुआ विशेष श्रृंगार

शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर माता रानी को अर्पित किया जाएगा 56 भोग

पांच दशकों से बाबा कल्याण दास जी महाराज के प्रति समर्पित है अग्रवाल परिवार

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में डमरू धर अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती अग्रवाल के सौजन्य से माता जगदंबा का विशेष श्रृंगार किया गया। मां भगवती के दिव्य स्वरूप को आकर्षक ढंग से सजाकर उनकी विधिवत पूजा-अर्चना की गई। माता रानी के मनोहारी श्रृंगार ने श्रद्धालुओं के मन में श्रद्धा और भक्ति का भाव जागृत किया। शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर माता जगदंबा को विशेष रूप से छप्पन भोग अर्पित किए जाने का आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक अनुष्ठान मां भगवती के प्रति अटूट आस्था, समर्पण और श्रद्धा का प्रतीक है। नवरात्र के इन पावन दिनों में देवी उपासना, पूजन-अर्चन और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से श्रद्धालु जगत जननी मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए अपनी श्रद्धा निवेदित कर रहे हैं। डमरू धर अग्रवाल, बाबा श्री कल्याण दास जी महाराज के परम शिष्यों में से एक हैं। उनका परिवार विगत लगभग 50 वर्षों से बाबा जी के सान्निध्य एवं श्री कल्याण सेवा आश्रम से जुड़ा हुआ है। यह दीर्घकालिक जुड़ाव केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि गुरु के प्रति श्रद्धा, सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति निष्ठा का भी परिचायक है। डमरू धर अग्रवाल एवं उनका परिवार आश्रम में आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में



सदैव बढ़-चढ़कर सहभागिता करता रहा है। विशेष पर्वों, पूजा-अर्चना तथा अन्य धार्मिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी गुरु-भक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती है। भारतीय सनातन परंपरा में गुरु के प्रति श्रद्धा तथा धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को विशेष महत्व दिया गया है। श्री कल्याण सेवा आश्रम से अग्रवाल परिवार का लगभग पांच दशकों का आत्मीय संबंध इसी परंपरा का एक सुंदर उदाहरण है। माता जगदंबा के विशेष श्रृंगार और अष्टमी पर छप्पन भोग के आयोजन के माध्यम से परिवार ने अपनी धार्मिक आस्था को अभिव्यक्त किया है। शारदीय नवरात्र का यह पावन पर्व मां दुर्गा की आराधना, शक्ति की उपासना और लोककल्याण की भावना को समर्पित है। ऐसे आयोजनों से श्रद्धालुओं में धार्मिक चेतना सुदृढ़ होती है तथा सेवा, सद्भाव और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रति समर्पण की भावना को बल मिलता है। श्री कल्याण सेवा आश्रम में नवरात्र के अवसर पर संपन्न हो रहे धार्मिक अनुष्ठान अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक समृद्ध कर रहे हैं। मां जगदंबा के चरणों में श्रद्धा निवेदित करते हुए श्रद्धालु सुख, शांति, समृद्धि और लोककल्याण की कामना कर रहे हैं।

सोनीपत में महाराष्ट्र से लेकर तमिलनाडु तक की टीमों को दी शिकस्त

राष्ट्रीय फ्लोर बॉल में अमरकंटक के 11 खिलाड़ियों ने दिलाया मध्यप्रदेश को स्वर्ण

स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज और प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। हरियाणा के सोनीपत में आयोजित राष्ट्रीय फ्लोर बॉल प्रतियोगिता में कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक के 11 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्यप्रदेश की टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राज्यों की टीमों के बीच हुए रोमांचक मुकाबलों में मध्यप्रदेश ने लगातार जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया।

इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे अमरकंटक क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच मध्यप्रदेश की टीम ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और सामूहिक समन्वय के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। मध्यप्रदेश की टीम ने प्रतियोगिता में जीत का सिलसिला पहले मुकाबले से ही शुरू कर दिया। टीम ने



महाराष्ट्र को 3-1 से हराया, जबकि दूसरे मुकाबले में चंडीगढ़ की टीम को 3-0 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर को 2-0 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में तमिलनाडु के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इस शानदार प्रदर्शन में कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन के खिलाड़ियों का अहम योगदान रहा। विद्यालय के 11 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। खिलाड़ियों ने मैदान पर टीम भावना, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए अपनी प्रतिभा साबित की। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस सफलता ने विद्यालय की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दी है। साथ ही, अन्य विद्यार्थियों के लिए भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रेरणादायक अवसर प्रस्तुत किया है। श्री कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी परिश्रम, अनुशासन तथा समर्पण के साथ आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। विद्यालय के प्राचार्य कमलेश मिश्रा ने भी विद्यार्थियों की सफलता को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना विद्यार्थियों की मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। खिलाड़ियों की इस सफलता पर विद्यालय परिवार, कोच आकाश सिंह, टीम मैनेजर सुभाष गुप्ता और क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नर्मदा उद्गम मंदिर में 301 घृत ज्योतियां प्रज्वलित, कलश स्थापित कर बोए गए जवारे

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आराधना का शुभारंभ, मंदिर में होंगे पूजन-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली, प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के अनुरूप हुआ। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा एवं चित्रा नक्षत्र के शुभ संयोग में मां नर्मदा उद्गम मंदिर में भक्तों द्वारा 301 घृत ज्योतियां प्रज्वलित की गईं तथा 301 कलशों की स्थापना कर विधि-विधानपूर्वक जवारे बोए गए। दीपों की पवित्र ज्योति, कलश स्थापना और जवारा रोपण के साथ संपूर्ण मंदिर परिसर में देवी आराधना की आध्यात्मिक छटा बिखर उठी। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस संध्याकाल 5 बजे नर्मदा मंदिर के पुजारी कामता प्रसाद द्विवेदी (नीलू महाराज) के मार्गदर्शन में घृत ज्योतियां प्रज्वलित कराई गईं। इसके पश्चात विधि-विधान से कलश स्थापना संपन्न हुई और परंपरानुसार जवारे बोए गए। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पावन दरबार में अपनी आस्था अर्पित करते हुए सुख, शांति,



समृद्धि और लोककल्याण की कामना की। सनातन धर्म में नवरात्रि का पर्व शक्ति की उपासना, आत्मशुद्धि, साधना और भक्ति का विशेष अवसर माना जाता है। इन नौ दिनों में आदिशक्ति मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। नवरात्रि के प्रथम दिवस कलश स्थापना के साथ साधना का संकल्प लिया जाता है, वहीं घृत ज्योति प्रज्वलित करना श्रद्धा, शुभता और आध्यात्मिक प्रकाश का प्रतीक माना जाता है। जवारे बोने की परंपरा प्रकृति, नवजीवन, उर्वरता और मंगलमय भविष्य की कामना से जुड़ी हुई है। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक का धार्मिक महत्व देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। यहां मां नर्मदा को केवल जीवनदायिनी नदी के रूप में ही नहीं, बल्कि सनातन परंपरा में पूजनीय देवी स्वरूप में भी आराध्य माना जाता है। ऐसे पावन तीर्थ में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर घृत ज्योतियों का प्रज्वलन, कलश स्थापना और जवारा रोपण श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां नर्मदा उद्गम मंदिर नौ दिनों तक श्रद्धालुओं के दर्शन एवं पूजन के लिए खुला रहेगा। इस अवधि में मंदिर में पुरोहितों द्वारा विधि-विधानपूर्वक पूजन-पाठ, आराधना और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते रहेंगे। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां के चरणों में दीप अर्पित करने, पूजा-अर्चना करने और मनोकामनाओं के साथ प्रार्थना करने के लिए श्रद्धालुओं का आगमन जारी रहेगा। शारदीय नवरात्रि का यह पावन पर्व मां नर्मदा की नगरी अमरकंटक में भक्ति, साधना और सनातन आस्था का संदेश दे रहा है। 301 घृत ज्योतियों का प्रकाश और 301 कलशों की स्थापना के साथ आरंभ हुई देवी आराधना ने श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक उल्लास और मंगलकामना का भाव जागृत किया है।

चौरा धाम खेरमाई प्रांगण में विराजीं मां दुर्गा, दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

कोतमा के वार्ड क्रमांक 10 में भक्ति और आस्था का माहौल



हरिभूमि न्यूज कोतमा। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के वार्ड क्रमांक 10 स्थित चौरा धाम खेरमाई प्रांगण में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजमान होने से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। आकर्षक साज-सज्जा के बीच सजे माता के दरबार में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूजा-अर्चना और जयकारों से प्रांगण का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। माता के दरबार को रंग-बिरंगे वस्त्रों, फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से सजाया गया है। मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान भक्त पूरी श्रद्धा के साथ माता के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला उपाध्यक्ष बबलू जायसवाल, जिला अनूपपुर ने समस्त जिलेवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की कामना की। चौरा धाम खेरमाई प्रांगण क्षेत्र की धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

खबर संक्षेप

बिना टिकट यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ी, स्टेशन में नहीं होती चेकिंग



ब्यौहारी। कटनी व्यवहारी मार्ग पर चलने वाली गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने वाली यात्रियों की संख्या बढ़ गई सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार व्यवहारी स्टेशन में इस समय कोई टिकट निरीक्षक नहीं है इसके कारण से प्लेटफार्म क्रमांक एक में उतरने वाले यात्री उतारकर जहां से जाली टूटी हुई है वहां से निकलकर सीधे बाहर निकल जाते हैं जो लोग पहले टिकट लेकर यात्रा करते थे टिकट निरीक्षक ना होने के कारण वही अब टिकट नहीं ले रहे भोपाल धनबाद एक्सप्रेस में रात में चलती है और यात्री यह सोचते हैं की रात में चेकिंग नहीं होगी और टिकट नहीं लेते हैं सुबह भोपाल पहुंच जाते हैं बिना टिकट यात्रियों के कारण रेलवे को लाखों रुपए का चुना हर महीने लग रहा है व्यवहारी स्टेशन में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाए जाने की मांग की है।

घुनघुटी में रेत चोरी का खेल! आखिर किसकी शह पर नाका पार कर रहे ट्रैक्टर?

घुनघुटी। क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत से भरे ट्रैक्टर बेखौफ होकर नाका पार कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब क्षेत्र में पुलिस, वन विभाग और कंपनी का चेकिंग स्टाफ मौजूद है, तो आखिर इन ट्रैक्टरों की जांच क्यों नहीं हो रही है? ग्रामीणों के अनुसार, रेत से भरे ट्रैक्टरों की आवाजाही लगातार होने के बावजूद जिम्मेदार अमला प्रभावी कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा तेज है कि आखिर इन वाहनों को रोकने और जांच करने की जिम्मेदारी निभाई क्यों नहीं जा रही है। घुनघुटी क्षेत्र में रेत परिवहन को लेकर सबसे बड़ा सवाल नाकों पर होने वाली जांच को लेकर है। यदि ट्रैक्टरों में अवैध रूप से रेत का परिवहन हो रहा है, तो उनकी जांच कर कार्रवाई करना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।ग्रामीणों का आरोप है कि रेत से भरे ट्रैक्टर आसानी से नाका पार कर जाते हैं। यदि यह आरोप सही है, तो यह जांच का गंभीर विषय है कि वाहनों की जांच किस प्रकार की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है। ग्रामीणों ने पुलिस, वन विभाग और कंपनी के चेकिंग स्टाफ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मिलीभगत की आशंका जताई है। हालांकि, इस संबंध में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।अब सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग इस मामले को गंभीरता से लेंगे? क्या नाकों से गुजरने वाले रेत से भरे ट्रैक्टरों के दस्तावेजों, रॉयल्टी और परिवहन की अनुमति की जांच की जाएगी? या फिर यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा? घुनघुटी क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन की निष्पक्ष जांच कराई जाए। नाकों से गुजरने वाले रेत से भरे ट्रैक्टरों के दस्तावेजों और रॉयल्टी की जांच की जाए। पुलिस, वन विभाग और कंपनी के चेकिंग स्टाफ की भूमिका की जांच हो।यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता प्रमाणित होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। अवैध रेत परिवहन पर रोक लगाने के लिए नियमित जांच और निगरानी सुनिश्चित की जाए। घुनघुटी में रेत परिवहन को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब अब संबंधित विभागों को देना चाहिए। यदि रेत का परिवहन वैध है, तो दस्तावेज सामने आने चाहिए। यदि अवैध परिवहन हो रहा है, तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। ग्रामीणों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और ठोस कार्रवाई चाहिए। प्रशासन को स्पष्ट करना होगा कि घुनघुटी में रेत परिवहन की वास्तविक स्थिति क्या है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है।

नवरात्र पर पुलिस अलर्ट, दुर्गा पंडालों की निगरानी तेज



बुढ़ार और धनपुरी पुलिस की लगातार गश्त, असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर

बुढ़ार। शारदेय नवरात्र पर्व के दौरान नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुढ़ार एवं धनपुरी पुलिस सतर्क है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। साथ ही दुर्गा पंडालों एवं संवेदनशील स्थलों की निगरानी भी बढ़ा दी गई है।बुढ़ार थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रे तथा धनपुरी थाना प्रभारी निरीक्षक विनय सिंह गहरवार के अनुसार, कस्बे में पेट्रोलिंग पार्टी नियमित रूप से गश्त कर रही है। रात्रि के समय दुर्गा पंडालों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है, ताकि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनी रहे और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। वहीं, कोयलांचल क्षेत्र धनपुरी में थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार पुलिस बल के साथ ज्वालामुखी मंदिर सहित विभिन्न दुर्गा पंडालों की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस की ओर से प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्कता बरती जा रही है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। नवरात्र पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए दोनों थाना क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बनी हुई है। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।



बुढ़ार में शारदेय नवरात्र, दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण मनाने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, दिया सुरक्षा का संदेश





बुढ़ार। क्षेत्र में शारदेय नवरात्र पर्व के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से स्थानीय पुलिस ने नगर के प्रमुख स्थलों पर पैदल फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने नागरिकों को सुरक्षा का अहसास कराते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में नगर निरीक्षक खेम सिंह पेंद्रो ने अपनी पुलिस टीम के साथ नगर के मुख्य बाजारों और मेन रोड पर पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से संवाद किया तथा बिना किसी डर के शांति और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का आग्रह किया। प्रशासन का यह फ्लैग मार्च त्योहारों के दौरान हुड़दंगियों पर लगाम कसने और आम जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था में खलल डालने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

भक्तों से गुलजार रहने वाला काली माता का मंदिर पड़ा सूना



ब्यौहारी। जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत साखी के प्रसिद्ध माता तालाब जहां प्रतिदिन गांव के सैकड़ो लोग स्नान करते थे वह तालाब सूखा पड़ा काली माता के भक्ति बृजवासी तिवारी ने बताया कि है तालाब में जलकुंभी हो गई थी जिसको साफ करने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा तालाब को फोडवा दिया गया लेकिन अब तालाब को फोडवाये हुए कई माह बीत गए लेकिन अभी तक ग्राम पंचायत द्वारा तालाब की सफाई,खोदाई नहीं कराई गई नाही तालाब को भरा गया जिसके कारण से ग्रामवासी परेशान है तालाब परिसर में प्रसिद्ध माता कालिका माता का मंदिर है जहां श्रद्धालु नहाने के बाद जल चढ़ाते थे वह भी बंद हो गया ग्रामीणों ने कलेक्टर से शीघ्र तालाब का सौंदरीकरण कराए जाने की मांग की है।

सजा दरबार, मां विराजीं

ब्योहारी। शारदेय नवरात्रि में मां जगदम्बा बाजे गाजे ढोल के नगर परिषद क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों में माता रानी के पन्डाल लाइटिंग तरह तरह साज सज्जा पुरा हो गया है आज शाम विधि विधान पूजा कर नवदुर्गा कि स्थापना होगी। आज सुबह से ही दुर्गी मंदिर व देवी मंदिर गायत्री शक्तिपीठ में साथ अधिकांश मंदिरों अधिक से अधिक लोगों भीड़ उमड़ी भक्त जनों महिला पुरूष सुबह ब्रम्ह मुहूर्त में लगभग 4 बजे भक्तों महिला पुरूष के द्वारा देवालय जल चढ़ाने व माता रानी के दर्शन करने के लिए प्रार्थना करती है साथ ही हवन करते हैं इसी तरह गायत्री शक्तिपीठ में पांच हवन कुंड रहते हैं एक हवन कुंड 12 से 15 महिला पुरूष बैठक कर हवन करते लगभग सुबह तीऐ से चार सौ महिला पुरूष बच्चों के द्वारा सुबह हवन कुंड करते हैं। इसी तरह नौ दिन माता रानी स्थापना से लेकर विसर्जन होने नवदुर्गा समिति नगर परिषद क्षेत्र व ग्रामीण क्षेत्रों में माता रानी के पन्डाल में देवी जागरण,देवी गीत, रामायण सुन्दर काण्ड कुछ पन्डाल में तो रामलीला व आरक्रेस्ट्रा आदि होगा।

मुख्य मार्गों एवं बाजार क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर के मुख्य मार्गों पर सुगम एवं सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्थलों को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए नगर निगम का अतिक्रमण अमला सक्रिय हो गया है। निगमायुक्त द्वारा शुक्रवार देर शाम मुख्य मार्गों के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के पालन में अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह के निर्देशन में मिशन चौक, जगन्नाथ चौक एवं गांधी द्वार थाना तिराहा से अनाधिकृत रूप से लगाए गए बैनर-पोस्टर हटाने की कार्रवाई की गई। अतिक्रमण प्रभारी ने बताया कि प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर बिना अनुमति लगाए गए बैनर-पोस्टर न केवल नगर की सुंदरता प्रभावित करते है, बल्कि दृश्यता बाधित होने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए टीम द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान लगभग पोल सहित 8 बैनर निकाल कर सुरक्षित रूप से कार्यालय में रखवाने की कार्यवाही की गई।

धनपुरी में महाराजा अग्रसेन जयंती का भव्य शंखनाद
संस्कृति-संस्कार और सामाजिक एकता का दिखा विराट स्वरूप

श्यामा गार्डन में दो दिवसीय महोत्सव में उमड़ा अग्रवाल समाज का उत्साह, रामायण-महाभारत की प्रस्तुतियों ने जीता दिल; 100 से अधिक पुरस्कार वितरित, मध्यरात्रि तक गूंजती रहीं तालियां







धनपुरी। सामाजिक समरसता, सेवा, समानता और लोककल्याण की प्रेरणा देने वाले 1008 महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती पर धनपुरी के श्यामा गार्डन (बारातघर) में आयोजित दो दिवसीय महोत्सव ने सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना की प्रभावशाली तस्वीर पेश की। 10 एवं 11 अक्टूबर को आयोजित इस समारोह में अग्रवाल समाज के लोगों ने परिवार सहित बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। धार्मिक अनुष्ठानों से आरंभ हुआ उत्सव बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों, महिलाओं की रचनात्मक प्रतिभा, मनोरंजक खेलों और पुरस्कार वितरण के साथ यादगार बन गया। कार्यक्रम देर रात 12 बजे तक चला और स्वल्पाहार के साथ इसका समापन हुआ।

आरती के साथ हुआ शुभारंभ

महोत्सव का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। नंदकिशोर अग्रवाल, श्रीमती गिरीश अग्रवाल, बृजवासी अग्रवाल, श्रीमती आरती अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, श्रीमती अंजू अग्रवाल, लता अग्रवाल, मथुरा प्रसाद अग्रवाल, भारती अग्रवाल, राजू अग्रवाल, श्रीमती मोनिका अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल और केदार अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। सामूहिक आरती के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा।

रामायण-महाभारत के मंचन ने बांधा समां

महोत्सव का सबसे प्रभावशाली आकर्षण बच्चों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं। रामायण और महाभारत के पात्रों की वेशभूषा में सजे नन्हे कलाकारों ने अपने अभिनय से भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जीवंत कर दिया। भगवान श्रीराम, हनुमान जी और माता शबरी से जुड़े प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर किया। 'राम आएंगे, राम आएंगे, हमारे भाग खुल जाएंगे' गीत पर प्रस्तुत कार्यक्रम को खूब सराहना मिली। महाभारत के प्रसंगों पर आधारित अभिनय ने भी दर्शकों को बांधे रखा। बच्चों की प्रस्तुतियों पर बार-बार गूंजती तालियों ने उनका उत्साह बढ़ाया।

हास्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में घरेलू नोक-झोंक पर आधारित प्रस्तुतियों ने मनोरंजन का रंग भर दिया। मथुरा-भारती, भारती-दिशा तथा निविता-काव्या की प्रस्तुतियों को उपस्थितजनों ने सराहा। बच्चों और महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला, वहीं पारिवारिक सहभागिता ने आयोजन को आत्मीयता से भर दिया।

प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन, 100 से अधिक पुरस्कार बांटे

जयंती महोत्सव के अंतर्गत ड्राइंग, नृत्य, कुर्सी दौड़, व्यंजन सजाओ, गरम मसाला, समान बनाओ और 'एक ईंट, एक रुपया' सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और कौशल का परिचय दिया। निर्णायक के रूप में शैल गुप्ता, प्रतिमा जैन और स्नेहलता गुप्ता ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन मिला। सौ से अधिक पुरस्कारों के वितरण ने समारोह की रौनक और बढ़ा दी।

अतिथियों ने बताया महाराजा अग्रसेन के आदर्शों का महत्व

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एलआईसी बुढ़ार के पूर्व विकास अधिकारी सुभाष गुप्ता रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. एन.के. अग्रवाल उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता बृजवासी अग्रवाल ने की। वक्ताओं ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी का जीवन परिश्रम, ईमानदारी, समानता और सामाजिक सहयोग की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों पर चलते हुए जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा के विस्तार, स्वास्थ्य सुविधाओं और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि जयंती का वास्तविक महत्व तभी है, जब महापुरुषों के विचार व्यवहार में उतरें और समाज का प्रत्येक वर्ग विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को संस्कृति, संस्कार और सामाजिक दायित्वों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बृजवासी अग्रवाल ने जताया समाज के प्रति आभार

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बृजवासी अग्रवाल ने कहा कि धनपुरी कोयलांचल क्षेत्र के अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती पर जिस उत्साह और एकजुटता का परिचय दिया, वह प्रशंसनीय है। परिवार सहित लोगों की भागीदारी ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। उन्होंने आयोजन में योगदान देने वाले वरिष्ठजनों, महिला मंडल, युवाओं, बच्चों और सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मयंक, दिशा और भारती अग्रवाल ने संभाला मंच संचालन

समारोह के दौरान मयंक, दिशा और भारती अग्रवाल ने माइक संचालन की जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने विभिन्न प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं के क्रम को आगे बढ़ाया। देर रात तक चले कार्यक्रम में दर्शकों का उत्साह बना रहा। अंत में स्वल्पाहार के साथ महोत्सव का समापन हुआ।

घुनघुटी में NH सड़क की बदहाली! धूल के गुबार में गुम हुई सड़क, हादसों को न्योता दे रहा निर्माण कार्य



नवरात्रि में लाखों श्रद्धालु पहुँचते हैं पाली बिरसिंहपुर और उचेहरा मंदिर, लेकिन घुनघुटी मोर्चा फाटक के पास सड़क की हालत देखकर उठ रहे सवाल

घुनघुटी। शहडोल से कटनी तक बनने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (NH) पर घुनघुटी के मोर्चा फाटक के पास सड़क की बदहाल स्थिति अब राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। सड़क पर उड़ती धूल के गुबार और बिखरी मिट्टी के बीच से गुजरना वाहन चालकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। हालात ऐसे हैं कि सामने से आने वाले वाहन तक धूल के कारण ठीक से दिखाई नहीं देते। ऐसे में दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सड़क निर्माण के नाम पर आम जनता को कब तक धूल और परेशानी झेलनी पड़ेगी?

लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही, फिर भी सड़क पर धूल का कहर!

नवरात्रि के पावन अवसर पर दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पाली बिरसिंहपुर स्थित मां बिरासिनी मंदिर और उचेहरा मंदिर में दर्शन करने पहुँचते हैं। इस दौरान क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। श्रद्धालु, स्थानीय ग्रामीण, दोपहिया वाहन चालक और अन्य राहगीर इसी मार्ग से आवागमन करते हैं।

लेकिन घुनघुटी मोर्चा फाटक के पास निर्माणाधीन ओवरब्रिज के नजदीक सड़क की मौजूदा स्थिति श्रद्धालुओं की यात्रा को मुश्किल बना रही है। सड़क पर उड़ती धूल न केवल वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा रही है, बल्कि आसपास के लोगों के लिए भी समस्या पैदा कर रही है।

धूल के गुबार में छिप रहा रास्ता, दुर्घटना का खतरा: मौके की तस्वीरों में सड़क पर धूल का घना गुबार और कच्ची सतह साफ दिखाई दे रही है। वाहनों के गुजरते ही धूल चारों ओर फैल जाती है। इससे दृश्यता प्रभावित होती है और दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बढ़ जाता है।

धूल के कारण आँखों में जलन, साँस लेने में परेशानी और आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका भी बनी रहती है। अगर समय रहते सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव और धूल नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए, तो किसी गंभीर दुर्घटना के बाद ही जिम्मेदारों की नींद खुलेगी क्या?

निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों से सीधे सवाल

शहडोल से कटनी तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। ऐसे में घुनघुटी मोर्चा फाटक के पास की स्थिति को लेकर संबंधित निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों से सवाल उठना स्वाभाविक है। निर्माणाधीन सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव क्यों नहीं कराया जा रहा है? धूल से परेशान राहगीरों और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए गए हैं? नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए विशेष व्यवस्था क्यों नहीं दिखाई दे रही? निर्माण कार्य के दौरान यातायात को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखने की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है?क्या संबंधित विभाग के अधिकारी मौके का निरीक्षण कर समस्या का तत्काल समाधान करेंगे?



जनता की मांग—समस्या का तत्काल समाधान हो! स्थानीय नागरिकों और राहगीरों की मांग है कि संबंधित विभाग एवं निर्माण एजेंसी तत्काल मौके का निरीक्षण करें। सड़क पर नियमित पानी का छिड़काव कराया जाए, धूल नियंत्रण के प्रभावी इंतजाम हों तथा निर्माणाधीन हिस्से में सुरक्षा संकेतक और आवश्यक यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।नवरात्रि में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए इस मार्ग पर विशेष निगरानी की जरूरत है, ताकि दर्शन के लिए आने-जाने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी और दुर्घटना के खतरे का सामना न करना पड़े।

जनता को परेशानी क्यों?

राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण क्षेत्र के विकास और बेहतर आवागमन के लिए किया जाता है, लेकिन निर्माण के दौरान लोगों की सुरक्षा और सुविधा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। घुनघुटी मोर्चा फाटक के पास की तस्वीरें जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित करने के लिए काफी हैं। अब देखना यह है कि संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसी इस समस्या को गंभीरता से लेकर कब तक राहत पहुँचाते हैं।जनता को आश्वासन नहीं, सड़क पर उड़ती धूल से राहत चाहिए। श्रद्धालुओं को सुरक्षित रास्ता चाहिए और स्थानीय लोगों को जिम्मेदार व्यवस्था। आखिर जिम्मेदार कब जागेंगे?

पसान नगर पालिका में सत्ता का संग्राम तेज
उपाध्यक्ष अजय यादव की कुर्सी पर संकट के बादल

अध्यक्ष राम अवध सिंह के नेतृत्व में 17 पार्षदों ने खोला मोर्चा

कलेक्टर रत्नाकर झा को आवेदन सौंपकर अविश्वास प्रस्ताव की वैधानिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

विकास कार्यों में बाधा और भ्रामक प्रचार के आरोपों से गरमाई सियासत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पसान नगर पालिका परिषद की राजनीति में इन दिनों जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। उपाध्यक्ष अजय ताराचंद्र यादव के विरुद्ध पहले परिषद की बैठक में निंदा प्रस्ताव पारित हुआ और अब अविश्वास प्रस्ताव लाने की मांग को लेकर अध्यक्ष सहित पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार, 12 अक्टूबर को नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह के नेतृत्व में 17 पार्षदों की ओर से कलेक्टर रत्नाकर झा को आवेदन सौंपकर उपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की वैधानिक प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग की गई। इस घटनाक्रम ने स्थानीय निकाय की राजनीति में जारी खींचतान को खुलकर सामने ला दिया है। अब पूरे मामले में प्रशासन की अगली कार्रवाई पर निगाहें टिकी हैं। नगर पालिका परिषद में उपाध्यक्ष के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच 9 अक्टूबर को पारित निंदा प्रस्ताव को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इसके महज तीन दिन बाद कलेक्टर के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग रखे जाने से स्पष्ट है कि विवाद अब केवल परिषद की बैठक तक सीमित नहीं है। पार्षदों ने अपने आवेदन में संबंधित कानून का हवाला देते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने और निर्धारित प्रक्रिया के तहत बैठक आहूत करने के संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया है।

निंदा प्रस्ताव के बाद अब अविश्वास की तैयारी

नगर पालिका परिषद की 9 अक्टूबर को आयोजित बैठक में उपाध्यक्ष अजय ताराचंद्र यादव के विरुद्ध







सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किए जाने का उल्लेख कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में किया गया है। इसके बाद 12 अक्टूबर को अध्यक्ष राम अवध सिंह के नेतृत्व में पार्षदों ने संयुक्त रूप से आवेदन प्रस्तुत कर अविश्वास प्रस्ताव की दिशा में आगे बढ़ने की मांग की। आवेदन में मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 43-क (43।) का उल्लेख किया गया है। पार्षदों ने संबंधित प्रावधानों के अनुसार वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है। हालांकि, निंदा प्रस्ताव पारित होना और अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से पद से हटाया जाना दो अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। आवेदन प्रस्तुत किए जाने मात्र से उपाध्यक्ष का पद समाप्त नहीं होता। इसके लिए संबंधित कानून के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है।

विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में पार्षदों ने उपाध्यक्ष के कार्यव्यवहार पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि उनके कारण नगर के जनहितकारी विकास कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। पार्षदों का कहना है कि नगर के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों को देखते हुए उपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जानी चाहिए। इसके साथ ही आवेदन में सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से नगर पालिका निकाय तथा पार्षदों के विरुद्ध भ्रामक एवं द्वेषपूर्ण प्रचार किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। इन आरोपों को आधार बनाकर पार्षदों ने अपनी असहमति जाहिर की और प्रशासन से मामले में वैधानिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। हालांकि, विकास कार्यों में बाधा और भ्रामक प्रचार से जुड़े आरोप फिलहाल आवेदन देने वाले पार्षदों के पक्ष पर आधारित हैं। इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उपाध्यक्ष अजय ताराचंद्र यादव का पक्ष सामने आने के बाद ही इस विवाद के दूसरे पहलू को भी स्पष्ट रूप से समझा जा सकेगा।

अध्यक्ष के नेतृत्व में लामबंदी, परिषद की राजनीति में बढ़ा दबाव

पसान नगर पालिका में अध्यक्ष राम अवध सिंह के नेतृत्व में पार्षदों का कलेक्टर तक पहुंचना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। परिषद के भीतर उपाध्यक्ष के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित होने के बाद अब अविश्वास प्रस्ताव की मांग उठने से स्थानीय राजनीति में विरोध और असहमति का मुद्दा केंद्र में आ गया है। अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग को लेकर आवेदन सौंपे जाने से यह भी स्पष्ट है कि विरोधी पक्ष अब मामले को औपचारिक वैधानिक प्रक्रिया के जरिए आगे ले जाना चाहता है। हालांकि, इस घटनाक्रम के आधार पर अंतिम परिणाम का अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी। आगे की स्थिति प्रशासनिक प्रक्रिया, संबंधित कानूनी प्रावधानों और परिषद में बनने वाले समीकरणों पर निर्भर करेगी।

आवेदन के साथ 16 पार्षदों के नाम दर्ज

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन के साथ संलग्न सूची में पूजा सिंह, गीता अजय यादव, सविता सिंह, विकास कुमार जायसवाल, सरोज लोधी, अलका लालबहादुर जायसवाल, पुष्पा सिंह श्याम, सुशील कुमार (चुन्ना), चौनू, आफरीन बिलाल हुसैन, अब्दुल कलाम, दीपक कुमार सिंह, दिपाली साहू, अर्चना मुगोरिया, शकुन पनिका और इंद्रलाल केवट के नाम दर्ज हैं। सूची के अनुसार, ये पार्षद वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16 और 18 से संबंधित हैं। आवेदन प्रस्तुत करने के दौरान अध्यक्ष राम अवध सिंह सहित कुल 17 पार्षदों की ओर से मांग रखे जाने की बात कही गई है। इस तरह आवेदन के साथ संलग्न सूची में 16 पार्षदों के नाम और अध्यक्ष सहित 17 पार्षदों की भागीदारी का उल्लेख इस घटनाक्रम का प्रमुख हिस्सा है।

अब कलेक्टर की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

उपाध्यक्ष के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित होने और उसके बाद अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए आवेदन दिए जाने के बाद अब प्रशासन की भूमिका अहम हो गई है। पार्षदों ने संबंधित अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आवेदन पर प्रशासन क्या निर्णय लेता है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत अगला कदम कब उठाया जाता है। नगर पालिका परिषद में उपाध्यक्ष के विरुद्ध उठे इस कदम का असर केवल मौजूदा विवाद तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि यह परिषद के भीतर आपसी समन्वय और राजनीतिक समीकरणों पर भी प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, आगे की स्थिति को लेकर अभी कोई अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिलहाल, पसान नगरपालिका में निंदा प्रस्ताव के बाद अविश्वास प्रस्ताव की मांग ने सियासी संघर्ष को नया मोड़ दे दिया है। अध्यक्ष राम अवध सिंह के नेतृत्व में आवेदन प्रस्तुत किए जाने के बाद अब सबकी निगाहें कलेक्टर कार्यालय की कार्रवाई और वैधानिक प्रक्रिया पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि अविश्वास प्रस्ताव की पहल किस दिशा में आगे बढ़ती है और उपाध्यक्ष अजय ताराचंद्र यादव के राजनीतिक भविष्य को लेकर क्या स्थिति बनती है।

अनूपपुर में नशे के कारोबार पर पुलिस का प्रहार



पांच शराब विक्रेताओं पर केस, गांजे के साथ ओडिशा की दो महिलाएं गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में अवैध शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने दो बड़ी कार्रवाइयां की हैं। सरई चौकी एवं करनपठार थाना पुलिस ने पांच आरोपियों के कब्जे से 40 लीटर कच्ची महुआ शराब, 31 पाव प्लेन शराब और 12 अद्धी बीयर जब्त की। वहीं, कोतवाली पुलिस ने 6.460 किलो गांजे के साथ ओडिशा निवासी दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। 11 अक्टूबर की रात सरई चौकी प्रभारी एवं करनपठार थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मंगला दुबे के नेतृत्व में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी। कार्रवाई में राजकुमार चौकसे, दुर्गेश शुक्ला, संतोष सिंह उद्दे, मुकेश चौकसे और खेमराज बघेल के कब्जे से अवैध शराब सहित अन्य सामग्री जब्त की गई। जब्त शराब की कीमत करीब 8,255 रुपये बताई गई है। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। 10 अक्टूबर को मिली सूचना पर कोतवाली पुलिस ने रेलवे स्टेशन अनूपपुर के आउटर से अमरकंटक तिराहे की ओर जाने वाले मार्ग पर कार्रवाई की। पुलिस ने ओडिशा के बौध जिले के अंबाझरी क्षेत्र की 37 और 23 वर्षीय दो महिलाओं के बैग से 6.460 किलो गांजा बरामद किया। इसकी कीमत करीब 60,400 रुपये आंकी गई है। दोनों के खिलाफ अपराध क्रमांक 551/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20(बी) में मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक, पिछले दस दिनों में गांजा तस्करी के विरुद्ध यह दूसरी कार्रवाई है। दोनों कार्रवाइयों में संबंधित थाना और चौकी के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बीमा पॉलिसी के नाम पर 3.60 लाख की धोखाधड़ी का आरोप, एजेंट शील चंद जैन पर एफआईआर

पत्नी और अन्य के बैंक खातों में रकम जमा कराने तथा नकद भुगतान लेने की शिकायत पहले भी 18 लाख की कथित धोखाधड़ी की शिकायत सामने आने का दावा



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कोयलांचल क्षेत्र में बीमा पॉलिसी के नाम पर कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। भालूमाड़ा थाना पुलिस ने पोड़ी निवासी तेरसू केवट की शिकायत पर बीमा एजेंट शील चंद जैन, निवासी डबल स्टोरी भालूमाड़ा, के विरुद्ध 10 अक्टूबर को 3.60 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। शिकायत के अनुसार, बीमा कराने और किस्त जमा करने के नाम पर रकम दी गई थी, लेकिन बाद में भुगतान को लेकर विवाद सामने आया। शिकायतकर्ता तेरसू केवट के अनुसार, 50 हजार रुपये सोनम जैन के बैंक खाते में और 1 लाख 10 हजार रुपये शील चंद जैन की पत्नी सुशीला जैन के खाते में जमा कराए गए थे। इसके अलावा वर्ष 2014 में 2 लाख रुपये नकद देने का आरोप भी लगाया गया है। इस तरह शिकायत में कुल 3 लाख 60 हजार रुपये के लेन-देन का उल्लेख है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके पिता की मृत्यु के बाद बीमा पॉलिसी और जमा रकम को लेकर कथित गड़बड़ी सामने आई। रकम वापस मांगने पर बार-बार आश्वासन दिया गया, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। शिकायत में सुशीला जैन के पसान स्थित शासकीय स्वास्थ्य कर्मचारी से जुड़े बैंक खाते में रकम जमा कराने का भी उल्लेख किया गया है। भालूमाड़ा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(2), 316(2) और 61(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। अब जांच में यह स्पष्ट होना है कि रकम किस उद्देश्य से ली गई, संबंधित बैंक खातों में उसका क्या लेन-देन हुआ और बीमा पॉलिसी से जुड़े दस्तावेज क्या बताते हैं।

शील चंद जैन के विरुद्ध इससे पहले भी करीब 18 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी की शिकायत किए जाने की जानकारी सामने आई है। उपलब्ध शिकायत संबंधी जानकारी के अनुसार, एक सेवानिवृत्त कालरी कर्मचारी ने कोतमा थाने और पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के समक्ष शिकायत की थी। बताया जाता है कि रकम वापस किए जाने और समझौता होने के बाद उस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी।

हालांकि, इस पुराने प्रकरण के दस्तावेजों और उसके निपटारे की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। वर्तमान मामले के सामने आने के बाद बीमा एजेंट की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र के कुछ अन्य सेवानिवृत्त कालरी कर्मचारियों के साथ भी कथित आर्थिक धोखाधड़ी की चर्चाएं हैं, लेकिन इनकी वास्तविकता संबंधित शिकायतों और दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले में पुलिस के लिए अलग-अलग माध्यमों से किए गए भुगतान की कड़ियां जोड़ना महत्वपूर्ण होगा। बैंक स्टेटमेंट, लेन-देन की प्रविष्टियां, बीमा पॉलिसी के दस्तावेज और नकद भुगतान से जुड़े साक्ष्य जांच की दिशा तय कर सकते हैं। साथ ही यह भी पता लगाना होगा कि शिकायत में नामित खाताधारकों की भूमिका क्या रही और रकम का वास्तविक उपयोग किस तरह हुआ। बीमा पॉलिसी आम लोगों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का माध्यम होती है। ऐसे में बीमा के नाम पर रकम लेने और उसके भुगतान में कथित अनियमितता की शिकायतें गंभीर सवाल खड़े करती हैं। मामला केवल 3.60 लाख रुपये का नहीं, बल्कि उस भरोसे का भी है, जिसके आधार पर लोग अपनी मेहनत की कमाई बीमा और भविष्य की सुरक्षा के लिए सौंपते हैं। फिलहाल पुलिस जांच जारी है। आरोपों की पुष्टि होना बाकी है और मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही सामने आएगा।

इनका कहना हैं

पीड़ित की शिकायत के आधार पर शील चंद जैन के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

राधिका भगत, थाना प्रभारी, भालूमाड़ा

जिला पंचायत की बैठकों में सांसद की आवाज बनेंगे वेद प्रकाश द्विवेदी

हिमाद्री सिंह ने सौंपी जिम्मेदारी, कलेक्टर को पत्र भेजकर दी नियुक्ति की सूचना



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले की विकास योजनाओं, पंचायतों से जुड़े मुद्दों और स्थानीय समस्याओं पर होने वाली जिला पंचायत स्तरीय बैठकों में अब सांसद हिमाद्री सिंह के प्रतिनिधि के रूप में वेद प्रकाश द्विवेदी शामिल होंगे। शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह ने 6 अक्टूबर को कलेक्टर अनूपपुर को पत्र जारी कर वेद प्रकाश द्विवेदी को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किए जाने की सूचना दी है। नियुक्ति के बाद जिला पंचायत की बैठकों में सांसद की अनुपस्थिति में उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी वेद प्रकाश द्विवेदी निभाएंगे। सांसद की ओर से जारी पत्र के अनुसार, वेद प्रकाश द्विवेदी, पिता स्वर्गीय ओमप्रकाश द्विवेदी, वार्ड क्रमांक 14, पुरानी बस्ती अनूपपुर निवासी हैं। सांसद ने स्पष्ट किया है कि जिन बैठकों में वह स्वयं उपस्थित नहीं रहेंगी, वहां उनके प्रतिनिधि के रूप में वेद प्रकाश द्विवेदी उपस्थित रहकर निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करेंगे। पत्र में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सहित संबंधित अधिकारियों को भी इसकी प्रतिलिपि भेजी गई है। जिला पंचायत स्तर पर होने वाली बैठकों में ग्रामीण विकास, पंचायतों की समस्याओं, निर्माण कार्यों की प्रगति, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और हितग्राहियों से जुड़े विषयों पर चर्चा होती है। ऐसे में सांसद प्रतिनिधि की भूमिका केवल बैठक में उपस्थिति दर्ज कराने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि स्थानीय समस्याओं को सामने रखने और संबंधित अधिकारियों तक जनहित के मुद्दे पहुंचाने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। अनूपपुर जिले में जिला पंचायत की बैठकों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े अनेक मुद्दे सामने आते हैं। ऐसे में सांसद द्वारा स्थानीय निवासी को प्रतिनिधि नियुक्त करना जिले के प्रशासनिक संवाद में उनकी भागीदारी का एक माध्यम बनेगा। इस नियुक्ति के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला पंचायत की बैठकों में क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों में देरी और योजनाओं के लाभ से जुड़े मुद्दों को किस तरह उठाया जाता है। राजनीतिक दृष्टि से भी सांसद प्रतिनिधि की नियुक्ति स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच संवाद का अवसर उपलब्ध कराती है। अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि वेद प्रकाश द्विवेदी जिला पंचायत स्तरीय बैठकों में अनूपपुर के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को कितनी प्रभावी तरह से उठाते हैं और अधिकारियों के सामने रखे गए विषयों पर आगे क्या कार्रवाई होती है।

राजनगर में सजा मां जगदंबा का भव्य दरबार, आकर्षक झांकियां बनीं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र

राजनगर। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नगर परिषद डोला क्षेत्र के रामनगर में मां जगदंबा का भव्य दरबार सजकर तैयार हो गया है। आरटीओ चेकपोस्ट के समीप मुख्य मार्ग पर स्थित दुर्गा पंडाल में आकर्षक साज-सज्जा, मनमोहक झांकियों और विशेष प्रकाश व्यवस्था के बीच मां जगदंबा विराजमान हैं। मां के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। नव युवा दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन से रामनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में नवरात्र की रौनक बढ़ गई है। पंडाल को आकर्षक स्वरूप देने के लिए समिति के सदस्यों ने करीब 15 दिन पहले से तैयारियां शुरू कर दी थीं। नवरात्र के प्रथम दिन मां जगदंबा की स्थापना के अवसर पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा दुर्गा पंडाल से प्रारंभ होकर रामजानकी मंदिर पहुंची, जहां जल भरने के बाद श्रद्धालु नगर भ्रमण करते हुए खेरदाई ग्राम देवता मंदिर पहुंचे। इसके बाद यात्रा वापस दुर्गा पंडाल पहुंचकर संपन्न हुई। धार्मिक विधि-विधान के साथ आयोजित इस यात्रा में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से सहभागिता की। कलश यात्रा के साथ ही रामनगर में नवरात्र उत्सव का उल्लास दिखाई देने लगा। रामनगर में आरटीओ चेकपोस्ट के समीप पिछले पांच वर्षों से लगातार मां जगदंबा की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। समय के साथ यह दुर्गा पंडाल क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। रामनगर, डोला, राजनगर, बिजुरी और मनेंद्रगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। डोला नगर परिषद क्षेत्र में नवरात्र के दौरान लगभग आठ से दस स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं।

91 लाख की साइबर ठगी में कानपुर से एक और आरोपी गिरफ्तार, 14 लाख से अधिक की रकम वापस

क्रिप्टोकरेंसी में निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर जैतहरी के कारोबारी से हुई थी धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।



क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर अच्छा रिटर्न दिलाने का लालच देकर जैतहरी निवासी राकेश कुमार अग्रवाल से 91 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को उत्तर प्रदेश के कानपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी भोला सिंह (46) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, फरियादी राकेश कुमार अग्रवाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्तियों ने व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से क्रिप्टोकरेंसी बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया और उनसे कुल 91 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। शिकायत पर थाना जैतहरी में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरियादी की 34 लाख रुपये की राशि होल्ड कराई। न्यायालय के सुपुर्दगी आदेश के पालन में अब तक 14 लाख रुपये से अधिक की रकम फरियादी के बैंक खाते में वापस कराई जा चुकी है। शेष राशि की वापसी के लिए कार्रवाई जारी है। मामले में पुलिस पूर्व में यश तोमर और शानू उर्फ शुभम दुआ को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों वर्तमान में जिला जेल भोपाल में निरुद्ध हैं। विवेचना के दौरान 9 अक्टूबर 2026 को पुलिस ने फरार आरोपी भोला सिंह, पिता चन्द्रपाल सिंह, निवासी बगाई भट्टा, टीपी नगर, जिला कानपुर (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया। इसके बाद उसे अनूपपुर न्यायालय में पेश किया गया। 91 लाख रुपये की बड़ी साइबर धोखाधड़ी के इस मामले में पुलिस अब अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, उपनिरीक्षक अमरलाल यादव, सहायक उपनिरीक्षक श्याम शुक्ला, प्रधान आरक्षक मनोज सिंह, राजकुमार मार्को, विजयनंद पाण्डेय, महिला प्रधान आरक्षक लेखनवती तथा आरक्षक रामेश्वर शर्मा और नरेन्द्र जाट की सराहनीय भूमिका रही।

दुर्गा पंडालों से यातायात बाधित न हो, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

44 प्रसव केंद्रों तक पहुंच मार्ग सुधारने और 18 वर्ष पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर जोर



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नवरात्रि पर्व के दौरान दुर्गा पंडालों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कलेक्टर रत्नाकर झा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई और पहुंच मार्गों को व्यवस्थित रखने के साथ स्वास्थ्य केंद्रों एवं शैक्षणिक संस्थानों तक सुगम आवागमन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों की स्थिति सुधारने तथा जिले के 44 प्रसव केंद्रों तक पहुंचने वाले मार्गों को सुगम बनाने के निर्देश दिए, ताकि गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी न हो। इसके लिए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और तहसीलदारों को क्षेत्रीय निरीक्षण कर आवश्यक सुधार कराने को कहा। बैठक में कलेक्टर ने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके विद्यार्थियों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए पात्र विद्यार्थियों से प्रपत्र-6 भरवाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के हाट बाजारों को मॉडल बाजार के रूप में विकसित करने के लिए संबंधित एसडीएम और जनपद पंचायत के अधिकारियों को संयुक्त भ्रमण कर कार्ययोजना तैयार करने को कहा। कलेक्टर ने पात्र दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने तथा श्रम विभाग की योजनाओं के तहत पात्र श्रमिकों को स्कूटी वितरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना चाहिए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने 300 और 1000 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन पर चर्चा करने और जरूरत पड़ने पर उनसे मिलकर समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा स्वामित्व अधिकार निष्पादन एवं पंजीयन योजना, गौशालाओं में विद्युत कनेक्शन, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना तथा जनजातीय विकास से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी, एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, जैतहरी एसडीएम कमलेश पुरी, अनूपपुर एसडीएम प्राशी अग्रवाल, कोतमा एसडीएम टीआर नाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महानदी के करहिया घाट में डूबे युवक का शव रेस्क्यू टीम ने निकाला

उमरिया। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करहिया स्थित महानदी के करहिया घाट में डूबे युवक का शव होमगार्ड एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद कर पुलिस के सुपुर्द किया। थाना प्रभारी चंदिया एवं पुलिस कंट्रोल रूम उमरिया को महानदी के करहिया घाट में एक व्यक्ति के डूबने की सूचना मिली थी। सूचना प्राप्त होते ही होमगार्ड एसडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। देर शाम तक तलाश करने के बावजूद युवक का पता नहीं चल सका। इसके बाद 12 अक्टूबर को पुनः सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। टीम ने लगातार प्रयास करते हुए गहरे पानी से युवक का शव बरामद किया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। मृतक की पहचान राहुल उर्फ रवि बर्मन, पिता राजेंद्र बर्मन, उम्र 26 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक एक चंदिया के रूप में हुई है। रेस्क्यू अभियान में नागेंद्र द्विवेदी, विद्याभूषण मिश्रा, मूरत पाल, सुजीत, बलवीर एवं अतुल कुमार शामिल रहे। टीम के सदस्यों ने लगातार प्रयास कर युवक के शव को पानी से बाहर निकाला।